



# INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

<b>Class: VII- 2nd Lang</b>	<b>Department: Hindi</b>	<b>Date -1/10/2022</b>
<b>Lesson-6 भोर और बरखा</b>	<b>Topic: - प्रश्नोत्तरी, व्याकरण</b>	<b>class work</b>

## अति लघु प्रश्न-

प्रश्न 1. गोपियाँ ने अपने हाथों में क्या पहन रखे हैं?

उत्तर- गोपियाँ ने अपने हाथों में कंगन पहन रखे हैं।

प्रश्न 2. ग्वाल बाल कहाँ जाने के लिए तैयार थे?

उत्तर- ग्वाल बाल गायें चराने जाने के लिए तैयार थे।

प्रश्न 3. मीरा किसकी भक्त/दीवानी थी?

उत्तर- मीरा श्रीकृष्ण की भक्त/दीवानी थी।

प्रश्न 4. दूसरे पद में किस महीने का वर्णन है?

उत्तर- दूसरे पद में सावन के महीने का वर्णन है।

प्रश्न 5. गोपियाँ दही क्यों बिलो रही थीं?

उत्तर- गोपियाँ दही बिलोकर मक्खन निकालना चाह रही थीं।

प्रश्न 6. ग्वाल-बालों के हाथ में क्या वस्तु थी?

उत्तर- ग्वाल-बालों के हाथ में माखन-रोटी थी।

प्रश्न 7. सावन के महीने में बूंदें कैसी पड़ रही थीं?

उत्तर- सावन के महीने में नन्हीं-नन्हीं बूंदें पड़ रही थीं।

प्रश्न 8. मीराबाई कौन से काल की प्रसिद्ध कवयित्री थीं?

उत्तर- मीराबाई भक्तिकाल की प्रसिद्ध कवयित्री थीं।

## लघु प्रश्न-

प्रश्न 1. कृष्ण को 'गिरधर' क्यों कहा जाता है?

उत्तर- कृष्ण को गिरधर कहा गया है क्योंकि उन्होंने गोवर्धन पर्वत को अपनी उँगली पर उठाया था अर्थात् गिरि को धारण करने वाले।

प्रश्न 2. कृष्ण को 'गडवन के रखवारे' क्यों कहा गया है?

उत्तर- कृष्ण को 'गडवन के रखवारे' इसलिए कहा गया है क्योंकि वह गऊओं का पालन करने के साथ उनकी रखवाली भी करते थे।

प्रश्न 3. पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए।

उत्तर- पद के आधार पर ब्रज में भोर होते ही हर घर के दरवाजे खुल जाते हैं। ग्वालिनें दही मथकर मक्खन बनाने लगती हैं, उनके कंगन की आवाज़ हर घर में गूँजती रहती है। ग्वाल बालक हाथों में मक्खन और रोटी लेकर गायें चराने की तैयारी करने लग जाते हैं।

प्रश्न 4. मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा?

उत्तर- मीरा को सावन मनभावन इसलिए लगने लगा क्योंकि यह खुशनुमा मौसम उन्हें प्रभु श्री कृष्ण के आगमन का अहसास करवाता है। इस मौसम में प्रकृति बड़ी ही सुंदर हो जाती है और मीराबाई का मन प्रसन्नता व उमंग से भर जाता है।

## दीर्घ प्रश्न-

प्रश्न 1. 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यारे', 'लाल जी', कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन-कौन सी बातें कहती हैं?

उत्तर- यहाँ यशोदा माँ अपने कान्हा को जगाने के लिए 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यारे', 'लाल जी' जैसे प्यार भरे शब्द कहती हैं। यशोदा माँ उन्हें जगाने के लिए निम्न बातें कहती हैं –  
“रात खत्म हो गयी है, हर घर के दरवाजे खुल चुके हैं, हमारे द्वार पर सभी देव और मानव तुम्हारे दर्शन करने के लिए खड़े हैं। ग्वालिनें दही मथ कर तुम्हारा मनपसंद मक्खन निकाल रही हैं। तुम्हारे सब दोस्त हाथ में माखन-रोटी लेकर तुम्हारा इंतज़ार कर रहे हैं, ताकि वे गाय चराने जा सकें। इसलिए मेरे प्यारे कान्हा! तुम जल्दी-से उठ जाओ।”

**प्रश्न 2.** पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए।

**उत्तर-** सावन आते ही गर्मी का प्रकोप कम हो जाता है। चारों तरफ घने काले बादल छाने लगते हैं। आसमान में बिजलियाँ कड़कती हैं और बादल गरजते हैं। कभी हल्की तो कभी तेज़ बरसात होती है और प्रकृति फल-फूल उठती है। इस दौरान हवा में भीनी-भीनी खुशबू फैल जाती है और वह ठंडी व सुहावनी लगने लगती है।

**व्याकरण-**

**प्रश्न 1 –** दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

1. इच्छा x अनिच्छा
2. आलस्य x स्फूर्ति
3. शयन x जागरण
4. निंदा x स्तुति
5. वरदान x अभिशाप
6. संक्षेप x विस्तार
7. सगुण x निर्गुण
8. यश x अपयश

**प्रश्न 2 –** दिए गए शब्दों के दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए ।

1. गोपाल – गाय पालने वाला / कृष्ण / ग्वाला, किसी लड़के का नाम
2. चारा – पशुओं का भोजन, उपाय
3. वन – वाटिका, जंगल
4. नग - पर्वत, नगीना
5. अतिथि – मेहमान, संन्यासी
6. अधर – होंठ , धरती और आकाश के बीच का स्थान

प्रश्न 3- अनुच्छेद- बरसात का मौसम-

**बिंदु-** मौसम का आनंद, वर्षा का महत्व, किसानों को मिलती है बड़ी मदद।

इस **मौसम का आनंद-** सबसे ज्यादा बच्चों को आता है, क्योंकि गर्मी में बच्चों को स्कूल जाना होता है। बरसात के आने से बच्चों को गर्मी से राहत मिलती है। वे बहुत ही उत्साहित और खुश हो जाते हैं। बारिश होने पर घर से बाहर निकल कर पानी में खेलना, कागज़ की नाव बनाकर बहते पानी में चलाना, बारिश में नहाना इत्यादि कामों में बच्चों को आनंद मिलता है। **वर्षा का महत्व -** वर्षा का जीवन में बहुत ही महत्व है क्योंकि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है। वर्षा से फसलों के लिए पानी मिलता है तथा सूखे हुए कुएँ, तालाबों तथा नदियों में फिर से पानी भर जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि जल ही जीवन है। बारिश आने के बाद चारों तरफ हरियाली छा जाती है, मानो धरती एक नई नवेली दुल्हन की तरह सज जाती है। **किसानों को मिलती है बड़ी मदद-** बारिश का सबसे ज्यादा असर किसानों पर देखने को मिलता है, क्योंकि किसान ही सबसे ज्यादा बारिश से उम्मीद लगाकर रखते हैं। हर किसान यही चाहता है कि अगर बारिश हो जाए तो उन्हें अच्छी फसल मिल जाएगी। अच्छी फसल से उनको अच्छी आमदनी भी प्राप्त होगी और उनका जीवन यापन अच्छी तरह से हो सकता है।

घर में रहें , सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें